

**राबड़ी/रबड़ी स्त्री.** (देश.) औटाकर गाढ़े किए हुए दूध में शक्कर मिलाकर तैयार की गई मिठाई, इसे कहीं "बसोधी" भी कहा जाता है।

**राबिस पुं.** (अं.) 1. कूड़ा करकट, काठ कबाड़ 2. अनाप-शनाप, घटिया 3. ईंट के भट्टे से निकले कोयले का चूर्ण और राख जिसका उपयोग भवन बनाने, ईंट जोड़ने में किया जाता है।

**राम वि.** (तत्.) रमण करने वाला, प्रत्येक की आत्मा में बसने वाला पुं. 1. ईश्वर, परमब्रह्म, परमात्मा 2. दशरथ पुत्र रामचंद्र 3. परशुराम उदा. बार बार मुनि प्रियवर कहा राम सन राम-रामचरितमानस 1-282 4. बलराम 5. पद्य आदि में तीन की संख्या 6. रमण/प्रेमी 7 सुंदर, मनोहर 8. काव्य. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 17 मात्राएँ होती हैं और 9-8 पर यति अंत में यगण होता है 9. तेजपत्ता 10. घोड़ा 11. वरुण 12. अशोक वृक्ष।

**रामकहानी स्त्री.** (तद्.) 1. जीवन में घटित घटनाओं आदि का बखान करना 2. आप बीती सुनाना, अपनी कहानी सुनाना 3. किसी बात को अनावश्यक विस्तार से बताना।

**रामकेला पुं.** (तद्.) 1. एक अच्छी किस्म का केला 2. एक प्रकार का आम।

**रामगंगरा पुं.** (तद्.) गौरैया के आकार की चमकदार काले सिर वाली चिड़िया जो उड़ते हुए मधुर ध्वनि करती हैं यह 6 हजार फीट की ऊँचाई तक पाई जाती है, जब यह शिकार की तलाश में होती है तो पेड़ों के तनों, शाखाओं पर उल्टी लटकी हुई देखी जाती है।

**रामगिरि पुं.** (तत्.) आधुनिक रामटेक पर्वत जो महाराष्ट्र में नागपुर के समीप है, कालीदास ने अपने महाकाव्य मेघदूत में रामगिरि पर्वत का उल्लेख किया है

**रामगुलाम पुं.** (तद्) राम भक्त, राम का दास।

**रामचंद्र पुं.** (तत्.) 1. अयोध्या के राजा दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र, राम, जिन्हें विष्णु के दसावतारों में

एक अवतार माना जाता है, राम ने रावण एवं उसके राक्षस कुल का विनाश किया।

**रामचरितमानस पुं.** (तत्.) संत कवि एवं परम राम भक्त गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित भगवान राम के संपूर्ण जीवन को वर्णित करने वाला महाकाव्य, अवधी भाषा और दोहा, चौपाई, छंदों में इसकी रचना की गई है, महाकाव्य को 7 सर्गों अर्थात् 1. बालकांड 2. अयोध्या कांड 3. अरण्य कांड 4. किष्किंधाकांड 5. सुंदर कांड 6. लंका कांड 7. उत्तरकांड में विभाजित किया गया है।

**रामजंत्री स्त्री.** (देश.) एक प्रकार की देशी तोप।

**रामजननी पुं.** (तत्.) 1. रामचंद्र जी की माता कौशल्या 2. परशुराम की माता रेणुका 3. बलराम की माता रोहिणी।

**रामजुहारी स्त्री.** (तत्.+तद्.) व्यक्तियों के मिलने पर एक प्रकार का अभिवादन जिसमें एक दूसरे को "राम राम" या "जयरामजी" की बोला जाता है।

**रामजौ पुं.** (तत्.+तद्.) एक प्रकार की जई जिसके दाने जौ के दानों के बराबर होते हैं।

**रामटेक पुं.** (तत्.+तद्.) नागपुर के समीप एक पर्वत, रामगिरि।

**रामगीरी पुं.** (तत्.+तद्.) रामगिरि पर्वत।

**रामतारक पुं.** (तत्.) वैष्णव संप्रदाय में रामभक्तों द्वारा जपा जाने वाला "रां रामाय नम." मंत्र।

**रामतोरई/रामतरोई/रामतुरई स्त्री.** (देश.) एक सब्जी जिसे घिया, लौकी भी कहते हैं।

**रामत्व पुं.** (तत्.) रामपन, राम जैसे गुण, भाव होने की स्थिति, राम जैसा आचरण।

**रामदल पुं.** (तत्.) 1. राम की सेना, वानरों की सेना 2. अत्यधिक शक्तिशाली सेना जिसका मुकाबला करना कठिन हो।

**रामदाना पुं.** (तत्.+तद्.) 1. चौलाई (एक सब्जी) के बीज जो सफेद रंग के काफी छोटे-छोटे होते हैं,